विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 12 से 18 मार्च 2026 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 43 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जीवन में अगर आपकी सभी चाहते पूरी हैं तो माता-पिता का आशिर्वाद, परमात्मा की कृपा मानिए. जीवन में उदारहता रखिए और सुपात्र को दान करते रहने से धर्म होता है. गरीबों को मदद करने से दया होती है और मित्र को मदद करने से प्रेम बढ़ेगा. जितना संभव हो, किसी को सहयोग की भावना रखने वालों के सहयोग के लिए परमात्मा सदा तत्पर रहते हैं. जितना संभव हो मानवता की सेवा का प्रयास करना चाहिए.

बीके गलाईया का जारी है 72 साल की उम्र में सेवा कार्य

चेन्नई- कहते हैं कि अगर करने का भाव हो, सेवा की सोच हो तो कुछ भी असंभव नहीं है.इसका उदाहरण चेन्नई के बीके गलाईया हैं, जो 72 वर्ष की उम्र में भी लाखों गरीब और जरूरतमंदों का इलाज करते हैं. चेन्नई तथा आसपास के जिलों में घर-घर जाकर कम खर्च में उपचार करते हैं और घावों की ड्रेसिंग करते हैं. घावों की सम करते हैं.

वे पांच दशकों में 3 लाख से अधिक रोगियों की देखभाल कर चुके हैं. मलाइला ने 1975 में ड्रेसिंग करने वाले के रूप में काम शुरू किया था. 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें सम्मानित किया. वे कहते हैं-मेरे लिए यह सेवा कर्तव्य नहीं, बल्कि व्यक्तिगत कठिनाइयों से प्रेरित मिशन है.' कोरोना काल में उन्होंने डायबिटीज से पीड़ित ऐसे कई लोगों के बाबों को ठीक करने में अहम भूमिका निभाई. ग़रीब तथा जरूरतमंद मरीजों को लेकर बचपन से ही अपार प्रेम रहने के कारण आज भी वे चेन्नई तथा आसपास जाकर सेवा देते हैं.

एटीएम धोखाधड़ी की शिकार को ५ लाख दें

बैंक ऑफ इंडिया को राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग का आदेश, बनेगा उदाहरण

विदर्भ स्वाभिमान, 11 मार्च

नई दिल्ली/अमरावती- मुंबई में सामने आया एटीएम/डेबिट कार्ड धोखाधड़ी का एक मामला अब उपभोक्ता अधिकारों और बैंकों की जिम्मेदारी पर बड़ी बहस खड़ी कर रहा है. खासकर तब, जब पीड़ित एक बुज़ुर्ग और कम पढ़ी-लिखी महिला हो.

ऐसे मामलों में सेवा प्रदाता से ज्यादा सतर्कता और जिम्मेदारी की उम्मीद की जाती है और यही बात राज्य उपभोक्ता आयोग ने अपने ताजा आदेश में साफ की है. दरअसल, महाराष्ट्र राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने बैंक ऑफ इंडिया को एक वरिष्ठ नागरिक महिला को पांच लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है.मामला एटीएम-कम-डेबिट कार्ड के जरिए हुए अनधिकृत लेन-देन से जुड़ा है. आयोग ने माना कि बैंक की सेवा में कमी के कारण पीड़िता को भारी आर्थिक नुकसान और मानसिक तनाव झेलना पड़ा.आयोग ने अपने आदेश में खास तौर पर यह भी कहा कि कम पढ़े-लिखे या अशिक्षित और बुज़ुर्ग ग्राहकों के मामलों में बैंक की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है, क्योंकि ऐसे ग्राहक बैंकिंग प्रक्रियाओं और सुरक्षा उपायों को पूरी तरह समझ पाने की स्थिति में नहीं होते.12.47 लाख रुपये अलग-अलग लेनदेन में निकाल लिए गए-दरअसल, शिकायतकर्ता 65 वर्षीय एक गृहिणी हैं, जिनकी औपचारिक पढ़ाई केवल चौथी कक्षा तक हुई है.

उन्होंने मई 2010 में बैंक में बचत खाता खुलवाया था. इस खाते में उनके मकान की बिक्री से मिली रकम जमा थी. लेकिन कुछ समय बाद उन्हें पता चला कि उनके खाते से लगभग 12.47 लाख रुपये एटीएम के जरिए अलग-अलग लेनदेन में निकाल लिए गए.

जांच में सामने आया कि इन पैसों का इस्तेमाल सोने के गहने, शराब, टीवी और अन्य सामान खरीदने में किया गया था. महिला ने आयोग का दरवाजा खटखटाते हुए आरोप लगाया कि एटीएम-कम-डेबिट कार्ड जारी करने और उसकी सुरक्षा प्रक्रिया में बैंक की गंभीर लापरवाही रही.

दूसरी ओर बैंक ने दलील दी कि खाता सभी नियमों के तहत खोला गया था और ग्राहक को वेलकम किट दी गई थी, जिसमें चेकबुक, एटीएम कार्ड, पिन और पासवर्ड शामिल थे. बैंक का कहना था कि यह धोखाधड़ी किसी तीसरे व्यक्ति की आपराधिक हरकत का परिणाम है, इसलिए उसकी जिम्मेदारी नहीं बनती. **शेष 7 पर**

सुप्रीम कोर्ट ने दी पहली बार इच्छामृत्यु की इजाजत, जज भी रो पड़े फैसला देते

विदर्भ स्वाभिमान, 11 मार्च

नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इच्छामृत्यु मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया. कोर्ट ने 13 साल से कोमा में रह रहे 31 साल के युवक हरीश राणा को इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की मंजूरी दे दी. गाजियाबाद के रहने वाले हरीश लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर हैं.देश में इस तरह का यह पहला मामला है. जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने एम्स को निर्देश दिया कि हरीश के लाइफ सपोर्ट सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए. यह प्रोसेस इस तरह से की जानी चाहिए कि मरीज की गरिमा बनी रहे.फ़ैसला देते समय न्यायमूर्ति की भी आंखें नम हो गई.

पैसिव यूथेनेशिया का मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके.सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला हरीश की मां निर्मला राणा और पिता अशोक राणा की इच्छामृत्यु देने की अपील पर सुनाया.परिवार ने बताया कि बेटे के इलाज के लिए अपनी संपत्ति तक बेच दी, लेकिन अब आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है. बेटे की तकलीफ भी नहीं देखी जाती.

फैसले पर पिता अशोक ने कहा-हम इसके लिए लंबे समय से लड़ रहे थे. कौन से माता-पिता अपने बेटे के लिए ऐसा चाहेंगे. पिछले 3 साल से हम यह मामला लड़ रहे थे. अब उसे एम्स ले जाया जाएगा. वह पंजाब यूनिवर्सिटी में टॉपर हुआ करता था.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

बढ़ता क्रोध और स्वयं पर खत्म होता नियंत्रण गंभीर

वर्तमान दौर में लोगों का स्वयं से नियंत्रण हट गया है. संस्कारों के अभाव में अथवा संगति के अभाव में आज मामूली बात को लेकर विवाद, मारपीट, हत्या का प्रयास मामूली बात हो गई है. यही कारण है कि आज कई बार हत्या जैसा गंभीर अपराध मामूली बात को लेकर हो जाता है. कई बार दुश्मनी निकालने के लिए मारपीट के अलावा खेत को आग लगाना, वाहन को जलाने का प्रयास जैसी घटनाएं कानून का खत्म होता डर जहां साबित करती हैं, वहीं मानव इतना व्यवहार से दानव कैसे बनता जा रहा है, इस पर चिंतन करने की जरूरत है.

लोगों में कानून का डर तेजी से खत्म हो रहा है, यही कारण है कि छोटी-छोटी बात को लेकर मरने-मारने उतारू हो जाती हैं. इतना ही नहीं तो कई बार तो अनायास ही नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जाता है. जिले के सबसे बड़े जड़वा शहर अचलपुर में कृषि मंडी के संचालक के घर के सामने खड़ी कार तथा दोपहिया को रविवार को अज्ञात तत्व ने आग के हवाले कर दिया. सौभाग्य से आग पेट्रोल टैंक तक नहीं पहुंची, वर्ना बड़ा अनर्थ होने से इंकार नहीं किया जा सकता. आखिर ऐसी क्या दिक्कत थी कि अज्ञात आरोपी द्वारा इस तरह की हरकत की गई. अचलपुर के सरमसपुरा पुलिस थाना क्षेत्र के बोपापुर में 8 मार्च की रात लगभग ढाई बजे अज्ञात लोगों ने पूर्व उपसभापति और कांग्रेस नेता अमोल चिमोटे के घर में घसकर उनकी कार में आग लगा दी। इस घटना में पास में खड़ी एक दोपहिया वाहन भी जलकर क्षतिग्रस्त हो गई। सवाल यह है कि इस तरह की हरकत करने के पहले लोगों के मन में डर नामक चीज नहीं है. यही कारण है कि इस तरह की घटनाएं तेजी से हो रही हैं और दिक्कतें पैदा हो रही हैं. बावजूद इसके इस तरह की घटनाएं कम नहीं हो रही हैं.

अमोल चिमोटे दिनभर का काम निपटाकर रात में अपने घर पर सो रहे थे और परिवार के सभी सदस्य भी घर में मौजूद थे। घर के पोर्च में उनकी नई कार और दोपहिया वाहन खड़े थे। इसी दौरान घर के पास से गुजर रहे एक व्यक्ति को धुआँ उठता दिखाई दिया। पास जाकर देखने पर कार के इंजन की ओर आग लगी हुई थी।उस व्यक्ति ने तुरंत शोर मचाया, जिससे चिमोटे परिवार और आसपास के लोग जाग गए। सभी ने मिलकर समय रहते आग पर काबू पा लिया। सौभाग्य से आग पेट्रोल टैंक तक नहीं पहुँची, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था और आसपास के घर भी इसकी चपेट में आ सकते थे। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कठोर कदम उठाया जाना चाहिए. वर्तमान में जिस तरह से ग्रामीण तथा शहर दोनों ही स्थानों पर अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और जानलेवा हमला, मारपीट तथा चलते रास्ते विरोध करने के साथ ही अपराधियों के हौसले बुलंद हैं. अचलपुर में हुई इस घटना ने सभी को चिंतित कर दिया. घटना को लेकर लोगों में जहां भय है, वहीं दूसरी ओर असामाजिक तत्वों के बढ़ते हौसले पर हैरत भी जताई जा रही है. अमरावती शहर ही नहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी जिस तरह से असामाजिक तत्वों के हौसले बढ़ रहे है, वह अपने आप में गंभीर ही नहीं बल्कि कई सवाल पैदा करती है. अचलपुर की घटना छोटी है लेकिन अन्य स्थानों पर इससे भी बड़ी घटनाएं हो रही हैं. कानून का डर पैदा करने के साथ ही जागरूकता का भी प्रयास करना अब जरूरी हो गया है. वर्ना दिक्कतें बढ़ सकती हैं.

जिले का घटता जलस्तर गंभीर विषय

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

बिना जल के जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है. लेकिन शेखचिल्ली बने इंसान द्वारा मुफ्त में मिली वस्तु की कीमत कम की जाती है. देश ही नहीं बल्कि जल की समस्या वैश्विक स्तर की समस्या है. अमरावती जिले में जलस्तर में कुछ तहसीलों में तेजी से कमी निश्चित ही चौकाने वाली है. इस पर समय रहते सरकार के साथ स्वयंसेवी संस्थाओं को भी ध्यान देना चाहिए और इसमें सुधार के प्रयास करना चाहिए. वर्ना कहीं ऐसी देर न हो जाए कि हम संभल नहीं पाएं.

आज तेजी से गिरता भूजल स्तर पूरे देश के लिए गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है. बढ़ती आबादी, अनियंत्रित जल दोहन, जंगलों की कटाई और वर्षा जल के संरक्षण की कमी के कारण भूजल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है. यदि समय रहते इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले वर्षों में पानी का संकट और भी गहरा हो सकता है. ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में पानी की मांग तेजी से बढ़ी है. कृषि में अत्यधिक भूजल का उपयोग, उद्योगों में पानी की खपत और घरों में पानी की बर्बादी के कारण प्राकृतिक जल स्रोतों पर भारी दबाव पड़ रहा है. कई क्षेत्रों में कुएं और हैंडपंप सूखने लगे हैं, जिससे लोगों को पीने के पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है. जलस्तर गिरने का एक बड़ा कारण वर्षा जल का सही तरीके से संचयन न होना भी है. शहरों में कंक्रीट की सड़कों और इमारतों के कारण पानी जमीन में नहीं समा पाता और बहकर निकल जाता है. इसके अलावा तालाब, कुएं और पारंपरिक जल स्रोत भी उपेक्षा के कारण समाप्त होते जा रहे हैं. पिछले पांच वर्षों के औसत भूजलस्तर की तुलना में इस वर्ष जनवरी महीने के भू-जलस्तर में औसतन 0.49 मीटर की गिरावट दर्ज की गई है. कई तहसीलों में यह गिरावट 1 से 2 मीटर तक पहुंच गई है, जिससे आने वाले गर्मी के मौसम में यह स्थिति और गोता खाने की संभावना है. यदि यही स्थिति बनी रही तो गर्मियों में ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में पेयजल संकट गहरा सकता है. प्रशासन के लिए यह आंकड़े चेतावनी हैं कि अभी ठोस कदम नहीं उठाए गए तो हालात और गंभीर हो सकते हैं. पिछले 5 वर्ष में जिले का औसत भूजल स्तर 7.20 मीटर रहा. जो जनवरी 2026 में 7.70 मीटर पर आया. इस हिसाब से जिले के भूजल स्तर में 0.49 मीटर की गिरावट आयी है. जिले के शहरी क्षेत्र अमरावती, चांदूर बाजार और चांदूर रेलवे तहसीलों में भी जलस्तर नीचे गया है. बढ़ती आबादी और भूजल पर निर्भरता चिंता का कारण बन रही है. समय रहते अगर इसे सुधारने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाया गया तो स्थिति खतरनाक होने से इंकार नहीं किया जा सकता है. अमरावती जिले में भूजल स्तर के सबसे ज्यादा गिरावट वाली 4 तहसीलों में नांदगांव खंडेश्वर, चिखलदरा, धारणी व वरूड शामिल है. इन क्षेत्रों में वर्षा की कमी, अधिक बोरवेल और सीमित भूजलपुनर्भरण यह प्रमुख कारण हैं. इस क्रम में 3 तहसीलों में भूजल स्तर में सुधार दर्ज हुआ है, उनमें भातकुली, दर्यापुर व अचलपुर में भूजल स्तर में सुधार हुआ है. दुनिया के कई देशों में जलसंकट के अलावा भारत के कई राज्यों में जलसंकट की स्थिति के बीच घटता भूजलस्तर चिंता की बात कही है. अमरावती में भूजलस्तर को बढ़ाने के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ ही सरकारी यंत्रणा को भी गंभीरता से प्रयास करना चाहिए. भारतीय जैन संगठन जैसे संगठनों का कार्य महान है.

धौरहरा में 14 मई से श्रीमद् भागवत कथा

पं.अवधनारायण शुक्ला सुनाएंगे कथा, आयोजक दुबे परिवार तैयारियों में

विदर्भ स्वाभिमान,11 मार्च

पट्टी/धौरहरा- पवित्र जगन्नाथ यात्रा पूरा करने के उपलक्ष्य में दलापांडे के धौरहरा नवासी तथा विभिन्न क्षेत्रों में स्थान बनाने वाले शिवप्रसाद दुबे, राधेश्याम दुबे परिवार द्वारा गांववासियों को श्रद्धा तथा भक्तिभाव का मौका उपलब्ध कराया जा रहा है. इस कड़ी में 14 मई से 21 मई तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया है. इसमें सुख्यात विद्वान अवधनारायण शुक्ला उर्फ वियोगी महाराज भक्तों को कथा का रसपान कराएंगे. कथा की शुरुवात 14 मई को महिलाओं की कलश यात्रा से होगा. इस आयोजन को भव्यता प्रदान करने के लिए परिवार के सभी सदस्यों द्वारा प्रयास किया जा रहा है. कथा का सभी से लाभ लेने का आग्रह किया गया है.

धौरहरा में दुबान नामक क्षेत्र के रूप में सुख्यात क्षेत्र में धार्मिक आस्था

को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 14 मई से श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह सात दिवसीय कथा कार्यक्रम प्रतिदिन प्रातः से सायंकाल तक श्रद्धालुओं के लिए आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध कथा वाचक पं.अवधनारायण शुक्ला द्वारा श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा का रसपान कराया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, धर्म, भक्ति और मानव जीवन के आदर्शों पर प्रकाश डाला जाएगा। कार्यक्रम में प्रतिदिन भजन-कीर्तन, प्रवचन तथा धार्मिक अनुष्ठान भी आयोजित किए जाएंगे। सभी श्रद्धालु भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर श्रीमद् भागवत कथा का लाभ लेने की अपील की है। कार्यक्रम को अभूतपूर्व तरीके से सम्पन्न कराने के लिए दुबे परिवार के सभी सदस्यों श्रीमती शिवपतीदेवी दुबे,शिवप्रसाद दुबे, राधेश्याम दुबे, राजेन्द्र प्रसाद दुबे, ज़गदीश दुबे, सुभाष दुबे, राजेश दुबे, सुनील दुबे, सर्वेश दुबे, सत्यप्रकाश दुबे सहित सभी दुबे परिवार के सदस्यों द्वारा प्रयास किया जा रहा है. गांव में होने वाली इस कथा के आयोजन को लेकर गांववासियों में भी अपार खुशी देखी जा रही है. कथा का लाभ लेने का आग्रह किया है.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

साहस,त्याग तथा दृढ़ संकल्प की मिसाल बना परिवार

प्रेरणादायी शख्सियत हैं श्रीमती शोभा नवलकिशोर संगर, घुप्प अंधेरे में बनी परिवार के लिए उजाला

विदर्भ स्वाभिमान, 11 मार्च

अमरावती- जीवन में कुछ कहानियाँ ऐसी होती हैं जो केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि साहस, त्याग और दृढ़ संकल्प की मिसाल बन जाती हैं. मनीषा संगरजी की माँ श्रीमती शोभा नवलकिशोर संगर की कहानी भी ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी है. मनीषाजी के पिता के अचानक निधन के बाद जीवन जैसे एक कठिन मोड़ पर आकर खड़ा हो गया था. उस समय सभी अभी बहुत छोटे थे और भविष्य अनिश्चित लग रहा था. लेकिन माँ ने हिम्मत नहीं हारी. उन्होंने अपने दुख को ताकत में बदला और बच्चों को संभालने की जिम्मेदारी पूरे साहस के साथ उठाई.

एक माँ के लिए अपने बच्चों का भविष्य सबसे बड़ा सपना होता है. पिता के जाने के बाद माँ ने अकेले ही बहनों को संभाला, पालन-पोषण किया और जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया. आर्थिक कठिनाइयों, सामाजिक चनौतियों और भावनात्मक दर्द के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी. उन्होंने बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए दिन-रात मेहनत की. बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके और समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त कर सकें. आज करिश्मा और भक्ति दोनों छोटी बहने शिक्षिकाएं है.

आज यदि सभी बहनें पढ़-लिखकर अपने पैरों पर खड़ी हैं और समाज में एक पहचान बनाने के साथ संगर परिवार का नाम रोशन कर रही हैं , तो इसका पूरा श्रेय माँ के अथक परिश्रम और त्याग को जाता है. उन्होंने केवल पढ़ाया ही नहीं, बल्कि जीवन के मूल्य, आत्मसम्मान और मेहनत का महत्व भी सिखाया. उनके संघर्ष ने सबको मजबूत बनाया और हर परिस्थिति का सामना करना सिखाया.

इस कठिन सफर में एक और व्यक्ति का योगदान हमेशा चारों बहनों के दिलों में सम्मान के साथ याद किया जाएगा, वह हैं मामाजी श्री शिवप्रसाद मोहोड़. उन्होंने हमेशा निस्वार्थ भाव से सभी का साथ दिया. जब परिस्थितियाँ कठिन थीं, तब उन्होंने सहारा दिया,अपने घर में आश्रय दिया और हमेशा सुरक्षा और भलाई के बारे में सोचा. उनका यह स्नेह और सहयोग चारों बहनों के लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं है.

इसके साथ ही बड़ी बहन रुपाली यशवंत सवाई का योगदान भी सबके जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है. आज वह केवल एक बहन नहीं, बल्कि सबके लिए एक माँ की तरह बन चुकी हैं. उन्होंने जिम्मेदारी के साथ पूरे परिवार को संभाला और सभी बहनों का ख्याल रखा. उनके प्रेम, समझदारी और त्याग ने हमें हमेशा एकजुट और मजबूत बनाए रखा है.आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं तो समझ आता है कि परिवार का साथ, त्याग और निस्वार्थ प्रेम ही जीवन की सबसे बड़ी ताकत होती हैं. माँ, मामाजी और बड़ी बहन त्रिवेणी संगम का योगदान हमारे जीवन में अमूल्य है. उनके संघर्ष और प्यार ने हमें वह ताकत दी है, जिसकी वजह से सभी आज अपने सपनों को जी पा रहे हैं.हमारे लिए वे केवल परिवार के सदस्य नहीं, बल्कि प्रेरणा के स्त्रोत हैं. उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि कठिन परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हों यदि हिम्मत और परिवार का साथ हो तो हर मुश्किल को पार किया जा सकता है. अंत में मां, मामाजी के साथ ही बड़ी बहन रूपाली सवाई को नमन करना तो बनता ही है. जीवन में अगर आपका परिवार आपके साथ है तो कितनी भी बड़ी मुसीबत आप हल कर सकते हैं. लेकिन अगर आपके पास सब कुछ है लेकिन परिवार रहकर भी प्रेम नहीं है तो दुनिया में आपसे अभागा कोई नहीं है. माता-पिता के अलावा मामा-मामी के रूप में मां यशोदा तथा पिता देवकी मिलने से बड़ा भाग्य जीवन में भला क्या हो सकता है. मामा-मामी ने जिस तरह से हम सभी बहनों को संभाला, आज के स्वार्थ भरे दौर में यह भाग्य बहुत कम के नसीब में होता है.

मां की ममता, मामा शिवप्रसाद मोहोड के साथ वना वरदान

समाज में मां का स्थान सबसे ऊंचा माना गया है. मां केवल जन्म देने वाली ही नहीं होती, बल्कि वह अपने बच्चों के भविष्य को संवारने वाली महान शक्ति भी होती है. ऐसी ही एक त्यागी और संघर्षशील मां है अमरावती की श्रीमती शोभा नवलकिशोर संगर. उनकी कहानी हमें जीवन में धैर्य, परिश्रम और अटूट विश्वास की प्रेरणा देती है.

पति की मृत्यु किसी भी परिवार के लिए बहुत बड़ा आघात होती है. लेकिन इस कठिन स्थिति में भी बिना हिम्मत हारे और भाई शिवप्रसाद मोहोड के साथ मिलकर परिवार की जिम्मेदारी बेहतरीन ढंग से निभाई. उनके त्याग और संघर्ष का फल है कि आज मनीषा संगर, रूपाली सवाई, करिश्मा तायडे तथा भक्ति वाकोडे ने भी मां के त्याग, मामा-मामीजी के विश्वास पर खरा उतरते हुए अपनी मेहनत,लगन, समर्पण से उच्च शिक्षा प्राप्त की और आज शिक्षिका के रूप में समाज सेवा कर रही हैं. जब परिवार का सहारा अचानक छिन जाता है, तब जीवन की राह और भी कठिन हो जाती है. लेकिन एक सच्ची मां शोभा संगर ने अपने दुख को पीछे रखकर अपने बच्चों के भविष्य के लिए खड़ी हुई.पति की मृत्यु के बाद टूटने के बजाय खुद को मजबूत बनाया और पूरे परिवार की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठा ली.शुरुआती समय बहुत ही कठिन था. आर्थिक तंगी, समाज की चनौतियां और बच्चों की परवरिश की चिंता इन सबके बीच इस मां ने हार नहीं मानी. दिन-रात मेहनत की, इस कार्य में भाई शिवप्रसाद मोहोड ने बहन का पूरा साथ दिया और आज यह परिवार आदर्श परिवार बनकर बेटियां पूरे परिवार का नाम रोशन कर रही हैं. इस मां ने कभी अपने बच्चों को यह महसूस नहीं होने दिया कि उनके सिर से पिता का साया उठ चुका है. उसने मां के साथ-साथ पिता की भूमिका भी निभाई. बच्चों को ईमानदारी, परिश्रम और आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाया. धीरे-धीरे उसकी मेहनत रंग लाई और उसके बच्चे पढ़-लिखकर समाज में अच्छे स्थान पर पहुंचे.आज वही परिवार समाज में सम्मान और सफलता की बुलंदी पर खड़ा है. लोग उस मां के त्याग, संघर्ष और धैर्य की प्रशंसा करते हैं. अगर इरादे मजबूत हों और दिल में परिवार के लिए सच्चा प्रेम हो, तो कोई भी कठिनाई इंसान को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती.ऐसी त्यागी मां श्रीमती शोभाताई संगर को विदर्भ स्वाभिमान परिवार का नमन, वंदन. धन्य हैं आप और मां की लाड़ली सभी बेटियां.

मां के त्याग को समझने वाली आदर्श बेटियां

जीवन में पिता की मौत सभी के लिएदुखदायी होती हैं. लेकिन अपार दुःख की घड़ी में मां शोभा ने जिस तरह से परिवार को संभाला, वह विलक्षण है. लेकिन इसके साथ ही आदर्श बेटी के रूप में चारों बेटियों ने भी जिस तरह से माता तथा मामा-मामी के विश्वास को बरकरार रखते हुए अपनी मेहनत, लगन से मुकाम हासिल किया, वह उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है.

कठिन स्थिति में भी बिना हिम्मत हारे और भाई शिवप्रसाद मोहोड के साथ मिलकर परिवार की जिम्मेदारी बेहतरीन ढंग से निभाई. उनके त्याग और संघर्ष का फल है कि आज मनीषा संगर, रूपाली सवाई, करिश्मा तायडे तथा भक्ति वाकोडे ने भी मां के त्याग, मामा-मामीजी के विश्वास पर खरा उतरकर दिखाया है. माता-पिता तो त्याग की मूर्ति होते हैं लेकिन वह स्वयं को तब अधिक भाग्यशाली मानते हैं जब उनके दर्द को बच्चे समझते हैं और उसी के मुताबिक मेहनत,लगन तथा समर्पण से कामयाबी हासिल करते हैं. चारों ही बेटियों ने जिस तरह से मां के त्याग को समझा और आज जिस मुकाम पर पहुंची हैं, वह भी कम सराहनीय नहीं है. प्राचार्य मनीषा संगर की विनम्रता,विद्वता तथा माता-पिता तथा मामा-मामी के प्रति प्रेम आदर्श संस्कार का परिचायक है. बहन रूपाली सवाई के बारे में वह बताती हैं कि मां,मामा के बाद बड़ी बहन ने मां की जो भूमिका निभाई, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है. कुल मिलाकर आदर्श परिवार के सभी दर्शन उन्हें मां तथा मामा-मामी के रूप में हुए हैं.

मामा-मामी का मिला आत्मीय प्रेम,सहारा

कहते हैं कि सुख के सब साथी होते हैं लेकिन दुःख में जो पूरी तरह से साथ खड़ा रहे. उनमें माता-पिता का रूप देखना चाहिए. मनीषा संगर बताती हैं कि पिता के देहांत के बाद मां के संघर्ष में जिस तरह से मामा शिवप्रसाद मोहोड और मामी खड़ी रहीं, उससे संघर्ष में भी अपार साहस मिला और आज हम बहनों की प्रगति में दोनों का अहम स्थान है. आत्मीयता, प्रेम के साथ ही दोनों ने अपार अपनापन देकर जीवन को संवारने के साथ ही चिंता नहीं करना और हर स्थिति से निपटने की ताकत मामा-मामी ने दी. उनके मुताबिक हम सभी बहनें भाग्यशाली हैं, जिन्हें दो-दो माता-पिता का प्रेम और आशिर्वाद मिला.

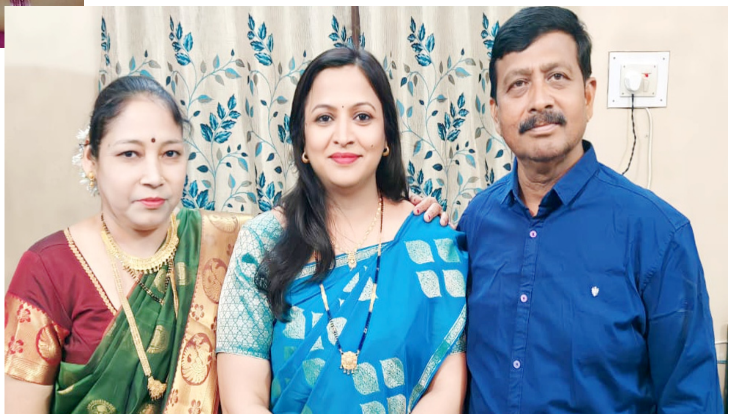

चरवाहे की कुल्हाड़ी से जब श्रीहरी घायल

गतांक से जारी- फिर भी जितना कुछ मुझे मालूम है बताऊँगा. वह ऐसा है कि नेता हे युग में दशरथ और कौसल्या देवी दोनों देह मुक्त होते समय श्री रामचंद्र के प्रति अपने वात्सल्य भाव को छोड नहीं पाये. पुत्र पर सुनिए! उस स्वामी के दर्शन करने की इच्छा रखनेवाले सारे सत्कर्म सिद्धियाँ प्राप्त करते हैं.' यह कहते सूत ने आगे इस रूप में कहा. वैकुंठ छोडकर शेषाचल पर वाल्मीक के गर्भ में रहनेवाले श्रीनिवास के अनेक चित्र-विचित्र कार्यों को सुना है. और श्रीनिवास के मनुष्य के रूप में मनुष्यों से किए क्रीड़ा-विनोद और एक सामान्य मनुष्य के रूप में किए गए नाटकों के बारे में सुरुचिपूर्ण ढंग से बताऊँगा. सुनिए! औषध के बारे में बृहस्पति के द्वारा बताये गए उपाय के अनुसार औषध को लगानेवाला कोई हित व्यक्ति उन्हें नहीं मिला. तब श्रीनिवास चिंता में पड़ गए. 'अब मैं क्या करूँ?' इस रूप में सोचते अपने औषध को स्वयं लाने के लिए प्रातःकाल ही अकेले निकल पड़े. तब वराह स्वामी वृषभासुर से युद्ध करके उसे संहार करके बाद में भूदेवी के साथ उस पर्वत की गुफाओं एवं श्रृंगों पर विहार कर रहे थे. बहु वर्षों के बाद फिर से शेषाचल का स्मरण करके शेषाचल के मार्ग से आनेवाले श्रीनिवास को देखकर वराह स्वामी ने उसे कोई राक्षस समझ लिया. शायद अपने से युद्ध करने के लिए स्वामी उन्हें देखकर अट्टहास करते हुए, सारे आया है, समझा.उस ध्वनि से कांप गए हां, बड़ा हुंकार किया.

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

इस महा हूंक ध्वनि से डरकर नारायण स्वामी एक झुरमुट में छिप गये. युद्ध किए दिन इस रूप में छिपनेवाले को देखकर वराह स्वामी गर्व से अपने विका आकार के साथ दांतें निफोरते हुए वे शीघ्र ही झुरमुट में घुस आए. तर श्री हरि एक कोने में दुबक कर छिप गए.

वराह और श्रीनिवास के संवाद- वैसे दुबक कर आंखों से आँसू निकालनेवाले स्वामी की दीन अवस्था को देखकर वह राक्षस नहीं है. बल्कि राक्षस का शिकार हुआ समझकर 'अकारण ही इस पर क्रोध दिखाया' मन में सोचते वराह स्वामी भी बाष्पपूरित लोचनों से उसे देखकर लीला मानुष के रूप में उसे पहचान कर पास जाकर 'मत रो' कहते हुए इस रूप में कहा. 'वेकर को छोड़कर निकल कर आने का कारण क्या है? सिरि ह्मदय पर नहीं है, यह विचित्र क्यों है? मनुष्य के आकार में क्यों हो? सिर पर चोट कैसे लगी है? अत्यंत बलवान हो, फिर भी इस रूप में दुबककर छिपने का कारण क्या है? आँखों से आँसू क्यों बहा रहे हो? मेरे हुंकार करने पर खड़े होकर बात किए बिना इस रूप में छिप जाने का कारण क्या है? तुम्हारा यह व्यवहार मुझे विचित्र लग रहा है. सच-सच बताओ.' ऐसा स्नेह से वराह स्वामी ने श्रीहरि से पूछा. तब निष्कपट भाव से दीनता में भू वराह स्वामी को देखकर श्रीहरि ने इस रूप में बताया. 'सुनो! वराहा रूपा! मेरा सारा वृत्तांत. सिरि को ह्मदय पर धारण करके मैं वैकुंठ में था. तब भृगु ने मेरे वक्ष पर लात मारी. तब सिरि मेरे ह्मदय से निकल कर 'परपुरुष के पदाघात लगने के कारण मैं यहाँ नहीं रहूँगी' कहते रूठ कर कोल्हापुर जाकर लक्ष्मी ने वैराग्य लिया. इसलिए पारिवारिक सुख को त्याग करके मैं आपके पास आकर इस वल्मीक में दुबक कर रहा हूं.

एक ग्वाले ने मेरे सिर पर माउस चोट को भरने मेध बताया. उसको इस गिरि पर बैंकले दिशा की आप को देखा है. सिर की चोट सताने पर कमजोर पड़ गया. बलवान होते उत्साह से आपके हुंकार को सुनकर डर कर हे महात्यासुर में विप गया. मुझ पर दया कर आपने मुझ से बात की है. इससे मन में रहने यात्रीपूर्व चिंता मिट गयी, साझा कर मुझे अपने ही पास रख लीजिए. उस वैकुंठ को कर को ही मी समझा कर बडे खेड से यहाँ बस गया है. जल्दी में आप कहाँ पर हैं, पहचान नहीं पाया. हरि के इस रूप में पूछने पर चरवाहे ने कहा. इस पर्वत पर वृषभासुर नामक एक राक्षस बस कर निजनों को कष्ट दे रहा था. इसलिए मैंने उस राक्षस से बहुत दिन घोर करके उस मायावी राक्षस का संहार किया. यहाँ आकर तुमको देखा मुझे भी तुमने अब देखा है. तिरूपति क्षेत्र का महात्म्य ऐसा है कि जीवन में जो व्यक्ति एक बार यहां पहुंच जाता है, उसका दुःख कम होता है और जीवन में खुशियों की बाढ़ आती है. लेकिन इसके लिए शुद्ध भाव और मन की शर्त है. **शेष अगले अंक में**

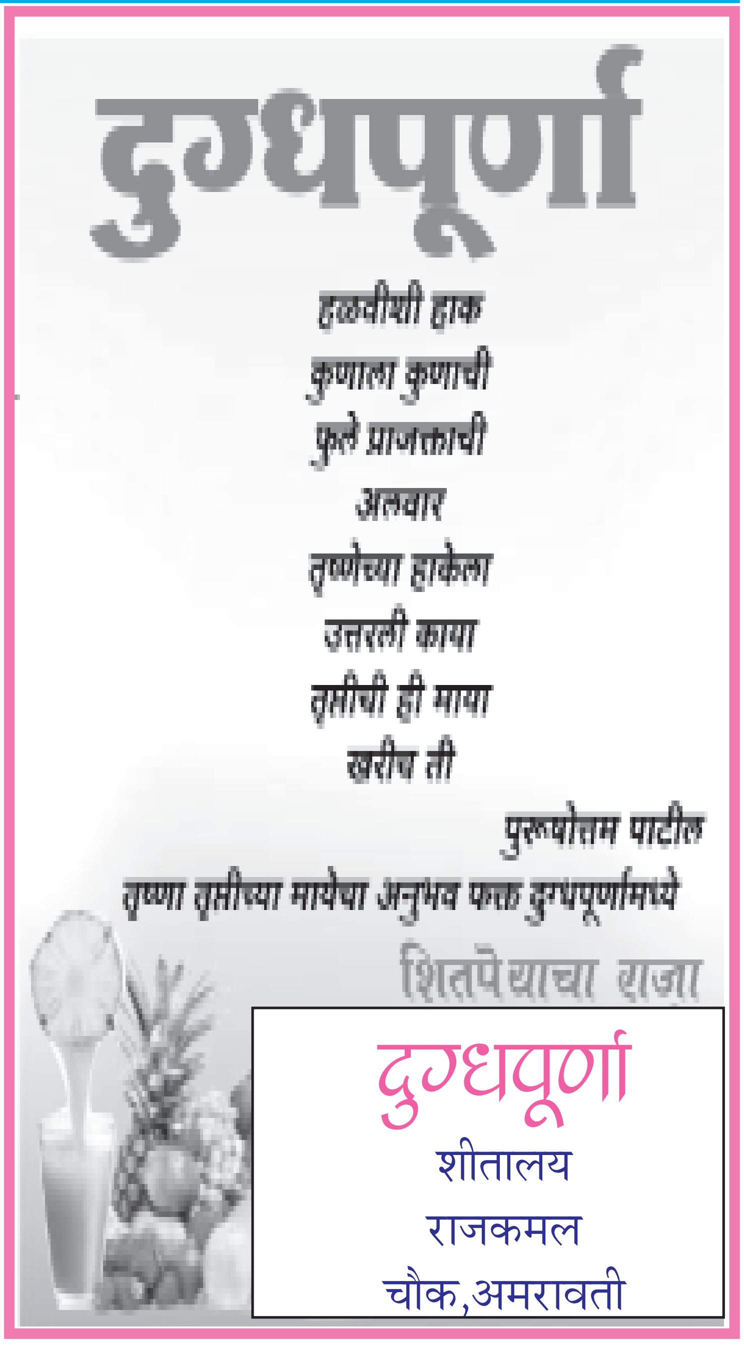

सेवा,समर्पण,लगन के साथ आत्मीयता के सागर व्यक्तित्व

सुनील राणा के जन्मदिन पर विशेष, कार्यकर्ताओं के दिल में रहते हैं

युवा स्वाभिमान पार्टी के संस्थापकों के साथ ही बेहतरीन मार्गदर्शक के रूप में पर्दे के पीछे के नायक के रूप में सुनील राणा की भूमिका को हजारों कार्यकर्ता सलाम करते हैं. विधायक रवि राणा के बड़े भाई के साथ ही भाई हो तो कैसा होना चाहिए, यह उन्होंने साबित किया है.इस बार विधायक रवि राणा के लिए मनपा का चुनाव बड़ी चुनौती थी लेकिन उन्होंने जिस तरह से चुनाव में कामयाबी के लिए दिन-रात एक कर दिया, उसकी जितनी सराहना की जाए कम है. आज पार्टी कार्यकर्ता उन्हें बड़े भाई के रूप में सम्मान देते हैं. उनके 10 मार्च को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. विधायक रवि राणा की उपस्थिति में पार्टी के आंदोलन, कार्यकर्ताओं की कोई परेशानी से लेकर हर तरह की गतिविधियों को संचालन करने वाले सुनील राणा पर्दे के पीछे के ऐसे नायक हैं, जो सामने नहीं आते हैं लेकिन युवा स्वाभिमान पार्टी की रीढ़ की हड्डी कहे जा सकते हैं.

समाज में बदलाव लाने के लिए जिस नेतृत्व की आवश्यकता होती है, वह युवा शक्ति से ही संभव है. ऐसे ही प्रेरणादायी व्यक्तित्व के रूप में उभरते हैं आदर्श युवा नेता सुनील राणा. अपने कर्म, व्यवहार और समाजसेवा की भावना के कारण उन्होंने लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान बनाया है. समाज के दबे कुचले लोगों की मदद के लिए सदा तत्पर रहने के साथ ही सम्पन्नता में भी विनम्रता के कारण लाखों मित्र परिवार बनाया है.

सादगी की मिसाल-युवा स्वाभिमान पार्टी के मार्गदर्शक सुनील राणा का व्यक्तित्व सरल, सौम्य और मिलनसार है. वे हमेशा जनसेवा को प्राथमिकता देते हैं और समाज के हर वर्ग के लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनते हैं. एक सच्चे जनप्रतिनिधि की तरह वे लोगों की समस्याओं को सुनते ही नहीं, बल्कि उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास भी करते हैं. यही कारण है कि युवाओं के बीच उनका प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है. अमरावती ही नहीं तो विदर्भस्तर पर बेहतरीन नेता के रूप में उनकी ख्याति है.

युवा नेतृत्व का सबसे बड़ा गुण होता है ऊर्जा, साहस और दूरदृष्टि. सुनील राणा इन सभी गुणों से परिपूर्ण हैं. समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और विकास जैसे मुद्दों पर वे सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं. जरूरतमंदों की मदद करना, सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेना और युवाओं को सकारात्मक दिशा देना उनकी पहचान बन चुका है.

उनकी कार्यशैली में ईमानदारी और पारदर्शिता स्पष्ट दिखाई देती है. वे मानते हैं कि राजनीति या सामाजिक नेतृत्व का उद्देश्य केवल पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि जनता की सेवा करना होना चाहिए. इसी विचारधारा के कारण वे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन गए हैं.

आज के समय में जब समाज को सच्चे और समर्पित नेतृत्व की आवश्यकता है, तब सुनील राणा जैसे युवा नेता आशा की नई किरण बनकर उभर रहे हैं. उनका समर्पण, मेहनत और जनसेवा का भाव निश्चित ही समाज को प्रगति और विकास की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.शहर ही नहीं तो समाजसेवा और राजनीतिक कामों में सक्रिय रहने वाले सुनील गंगाधर राणा युवा नेता के साथ ही सेवाभावी कामों में सक्रिय रहने वाले व्यक्तित्व हैं. सफलतम व्यवसायी के प में न केवल अमरावती बल्कि समूचे राज्य स्तर के व्यवसायी हैं. विभिन्न कंपनियों के संचालक के अलावा युवा स्वाभिमान पार्टी की मजबूती में भी उनका सदैव अहम योगदान रहा है. पार्टी की मजबूती के साथ ही पार्टी के जनाधार को बढ़ाने में उन्होंने सदैव महत्वपूर्ण कार्य किया है.मनपा चुनाव में पार्टी की शानदार जीत के पीछे उनकी योजना और दिन-रात की मेहनत से कोई भी इंकार नहीं कर सकता है. जेसीआई से वर्षों से जुड़े रहने वाले सुनील राणा कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों के संचालक हैं. वे जितने सफलतम व्यवसायी हैं, उतने ही बेहतरीन, दिलदार और खुशमिजाज व्यक्तित्व के धनी इंसान हैं.बातचीत में उनकी सादगी देखकर उनके बड़प्पन का कोई अंदाज नहीं लगा सकता है. 10 मार्च को उनके जन्मदिन पर सुबह से लेकर रात तक जिस तरह से लोगों द्वारा उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गई, वह आत्मीयता और प्रेम आज के दौर में सभी के नसीब में नहीं रहती है.वे भी विनम्रता पूर्वक जन्मदिन की शुभकामनाएं देने वालों के प्रति कृतज्ञता जताते हैं. उनका कहना है कि जीवन में उनके लिए यह यादगार प्रसंग रहता है. लोगों का प्रेम ही उन्हें उर्जा देता है. अनगिनत पुरस्कारों से जहां वे अभी तक सम्मानित हो चुके हैं. वह सदैव स्वस्थ रहें, मस्त रहें, भगवान गोविंदा के चरणों में यही कामना.अंत में

संघर्ष की राहों पर जो चलते जाते हैं,
वही इतिहास में अपना नाम लिखाते हैं।
ऐसे कर्मठ युवा नेता को जन्मदिन पर प्रणाम,आपका भविष्य हो उज्ज्वल, बढ़े देश और समाज का मान।

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क.

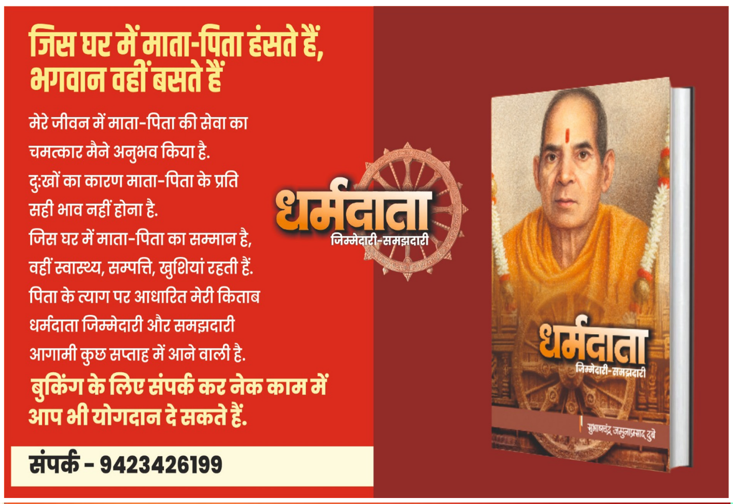

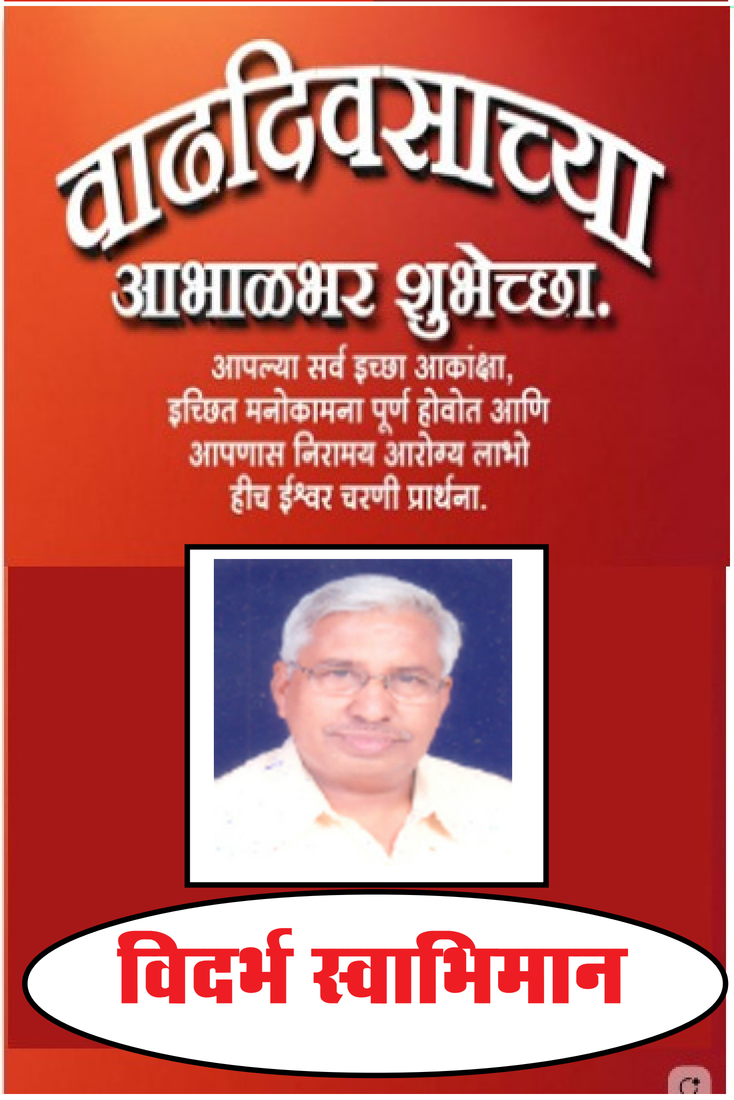

हर दिन से प्यारा लगता है
हमें ये खास दिन,
जिसे बिताना नहीं चाहते
आप बिन।
वैसे तो दिल देता है सदा
ही दुआ आपको,
फिर भी कहते हैं मुबारक
हो जन्मदिन आपको।

योगेश विजयकर
[लोकप्रिय नगर सेवक तथा युवा नेता,गड़गड़ेश्वर प्रभाग] तथा
समस्त विजयकर परिवार
अमरावती.

सेवा,समर्पण के साथ साथ मानवता सेवी व्यक्ति हैं पाण्डेय

सेवा,समर्पण, लगन,मेहनत के साथ ही संयुक्त परिवार को सबसे बड़ी ताकत मानने वाले बालकिसन पाण्डेय जितने सफल व्यवसायी हैं, उतने ही अच्छे सज्जन व्यक्ति हैं. स्वभाव से शांत लेकिन जीवन में अनुशासन को महत्व देते हैं. उनके जन्मदिन पर हजारों ने उन्हें शुभकामनाएं दी. सभी के प्रति उन्हों ने कृतज्ञता जताते हुए इसे ही कामयाबी का श्रेय दिया.

अमरावती ही नहीं बल्कि समूचे राज्य स्तर के व्यवसायी,दुग्धपूर्णा ग्रुप के प्रमुख तथा ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ तथा मार्गदर्शक के रूप में वे सभी क्षेत्रों में सक्रियता के साथ सेवारत रहते हैं. कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों के संचालक के साथ ही आदर्श पुत्र, पिता, पति के साथ सभी भूमिकाएं एक साथ निभाते हैं. बेहतरीन, दिलदार और खुशमिजाज व्यक्तित्व के धनी इंसान हैं. उनकी सादगी, उनकी सम्पन्नता में भी विनम्रता का जहां परिचय करवाती है, वहीं दूसरी ओर वे संबंधों को जिस बेहतरीन तरीके से निभाते हैं. बाबूजी के नाम से सुख्यात बालकिसन पाण्डेय मददगार व्यक्ति हैं, वहीं माता-पिता की सेवा और उनके आदर्श को जीवन

मानते हैं. उनके जन्मदिन 10 मार्च को पर सुबह से लेकर रात तक जिस तरह से लोगों द्वारा उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गई, वह आत्मीयता और प्रेम आज के दौर में सभी के नसीब में नहीं रहती है.वे भी विनम्रता पूर्वक जन्मदिन की शुभकामनाएं देने वालों के प्रति कृतज्ञता जताते हैं. उनका कहना है कि जीवन में उनके लिए यह यादगार प्रसंग रहता है. सामाजिक, धार्मिक कामों में सदैव अग्रणी रहे हैं. वे सदैव कहते हैं कि इन्सान के हाथ में केवल प्रयास करना रहता है, बाकी ऊपरवाले पर छोड़ देना चाहिए.आचार-विचार और संस्कार का जीवन में अत्याधिक महत्व होता है. बच्चों को शिक्षा के साथ ही हमारी जड़ों से जुड़े रहने की शिक्षा भी दी जानी चाहिए. सुख्यातछ्व्यवसायी के साथ सेवाभाव से परिपूर्ण व्यक्ति हैं. परिवार के प्रेम को सबसे बड़ी ताकत जहां मानते हैं, वहीं दूसरी ओर पाण्डेय परिवार सेवाभावी कामों में भी दरियादिली के साथ आगे रहता है. सम्पन्नता में भी विनम्रता की जहां यह परिवार प्रतिमूर्ति हैं, वहीं दूसरी ओर नेक कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं.व्यवसाय के साथ ही अन्य क्षेत्रों में भी परिवार का योगदान रहता है. बाबूजी कहते हैं कि जो भी काम करें, उसमें स्वयं को झोंक देना चाहिए. वह सदा स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में हम यही कामना करते हैं.

गुरूवार से 12 से 18 मार्च 2026 तक का भविष्य

मेष-राशि के जातकों के लिए यह हफ्ता इमोशनल गहराई से शुरू हो रहा है. आपके राशि स्वामी मंगलदेव अभी कंभ में हैं, लेकिन शुक्र का 2 मार्च को मीन राशि में उच्च होना आपके 12वें घर को प्रभावित करेगा. इससे आपके रिश्तों में दया और संवाद में नरमी आएगी. चंद्रदेव सिंह राशि में रहेंगे, जो आपके कॉन्फिडेंस और क्रिएटिविटी को बूस्ट करेंगे. चंद्रदेव तुला राशि में आने से पार्टनरशिप और इमोशनल बैलेंस पर फोकस बढ़ेगा.

वृषभ-राशि के लिए हफ्ता खुशनुमा रहेगा क्योंकि 2 मार्च को शुक्र आपके ग्यारहवें घर यानी मीन राशि में उच्च के हो रहे हैं. वह दोस्ती, उम्मीदों और इमोशनल सपोर्ट को मजबूत करेंगे. चंद्रदेव सिंह राशि में होने से फैमिली मैटर्स और कम्फर्ट को हाईलाइट करेंगे.आपकी क्रिएटिविटी और रोमांस को सपोर्ट करेंगे. मिथुन में बृहस्पति रेट्रोग्रेड होने के कारण अपने फाइनेंस को ध्यान से रिव्यू कर सकेंगे वैसे इस हफ्ते आप चतुर बुद्धि का भी खूब प्रयोग करेंगे.

कर्क-मिथुन राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने का यह सप्ताह उम्मीद की नई रोशनी लाएगा लेकिन शुरुआत में आपको कुछ मानसिक थकान और तनाव का सामना करना पड़ सकता है. कार्यक्षेत्र में आपके कुछ नया बदलाव दिखेगा जो आपको परेशान तो करेगा लेकिन बहुत कुछ सीखने का भी मौका देगा. आपको इस समय अवसर पर नजर बनाए रखने की जरूरत रहेगी. वैसे आपको जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा.

सिंह-कर्क राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने का यह सप्ताह आरंभ में मानसिक उलझन भरा रहने वाला है. राशि स्वामी चंद्रमा सिंह राशि में केतु के साथ युति संबंध बनाएंगे. ऐसे में आपको जोखिम लेने से बचना चाहिए, चोट लगने की आशंका रहेगी और कुछ गलत निर्णय की वजह से मानसिक तनाव भी मिल सकता है. जो जातक तकनीकी कार्य से जुड़े हुए हैं उनको अपनी तकनीकी क्षमता का लाभ मिलेगा.

कन्या-सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित रहने वाला है. सप्ताह के पहले भाग में आपको अधिकारियों से वाद विवाद में उलझने से बचना होगा साथ ही आपको विरोधियो और शत्रुओं से भी सतर्क रहना होगा. सरकारी क्षेत्र का कोई काम फंसा है तो आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद से फायदा हो सकता है.

तुला-कन्या राशि के जातकों के लिए फरवरी का पहला सप्ताह सामान्य रूप से अच्छा रहेगा. वैसे इस हफ्ते आपकी सफलता में आपकी चतुर बुद्धि का बड़ा हाथ होगा. आप परंपरा से हटकर कुछ नया आजमाने का प्रयास कर सकते हैं. इस हफ्ते के आरंभ में ही राशि स्वामी बुध राहु से युति बनाएंगे ऐसे में आप उन क्षेत्रों से भी लाभ का अवसर निकालने में कामयाब होंगे जहां से काम बनने की उम्मीद कम होगी और इसके लिए आप उंगली टेढ़ी भी कर सकते हैं.

वृश्चिक-तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सुखद और अनुकूल रहेगा. बीमार चल रहे जातकों की सेहत में सुधार होगा. आप सप्ताह के आरंभ से भी सक्रिय और सजग नजर आएंगे. आपको अपने अनुभव और कार्यकुशलता का लाभ मिलेगा. आपकी कोई अटकी योजना पूरी होगी. लव लाइफ में प्रेम और आपसी सामंजस्य बना रहेगा. कोई मित्र आपकी मदद भी कर सकता है. संतान सं संबंधित आपकी किसी चिंता का समाधान होगा.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं. परिवार में किसी के साथ मनमुटाव से बचें . आपका भाग्य चमक सकता है.

मकर-घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर विशेष ध्यान दें.

कुंभ-मार्च महीने का यह पहला सप्ताह लाभ का संयोग बना रहा है. इस हफ्ते राशि से दसवें भाव में मंगल का गोचर होना आपके करियर और कारोबार के लिए शुभ रहने वाला है. आपको कुछ अप्रत्याशित लाभ भी प्राप्त होगा. नौंकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा. सप्ताह के आरंभ में थोड़ी अधिक व्यस्तता रहेगी लेकिन सप्ताह मध्य का समय आपके लिए रिलैक्स करने वाला वाला रहेगा.

मीन-मीन राशि के लिए यह हफ्ता बहुत ही पावरफुल और शुभ है. 2 मार्च को शुक्र आपकी ही राशि यानी फर्स्ट हाउस में उच्च के हो रहे हैं, जो आपके चार्म, क्रिएटिविटी और इमोशनल वार्मथ को बढ़ाएंगे. चंद्रदेव कन्या राशि में आने से पार्टनरशिप और रिश्ते हाइलाइट होंगे. 6 मार्च की रात से चंद्रदेव तुला राशि में जाने से इमोशनल हीलिंग में मदद मिलेगी.

ओम नमो भगवते वासुदेवाय

धर्म के साथ राष्ट्रधर्म को प्रथम मानते हैं कथा प्रवक्ता अवधनारायण शुक्ला वियोगी महाराज

विदर्भ स्वाभिमान, 11 मार्च

प्रतापगढ़-अवधनारायण शुक्ला वियोगी महाराज एक प्रसिद्ध हिंदी साहित्यकार,प्रवचनकर्ता, कवि और समाजसेवी के रूप में जाने जाते हैं. वे अपने साहित्यिक नाम वियोगी से अधिक प्रसिद्ध थे. उनकी रचनाओं में भक्ति, देशभक्ति, सामाजिक चेतना और नैतिक मूल्यों का विशेष स्थान मिलता है.अवधनारायण शुक्ला का साहित्यिक नाम वियोगी महाराज है. उनका जन्म उत्तर प्रदेश के एक ब्रह्मण परिवार में हुआ है और बचपन से ही मेधावी छात्र रहने के साथ ही सनातन धर्म के प्रति समर्पित व्यक्ति हैं. उनकी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर कवि, लेखक, समाजसेवी और आध्यात्मिक चिंतक के रूप में है. उनकी कथाओं में धर्म के साथ राष्ट्रधर्म पर वे मार्गदर्शन करते हैं. वियोगी महाराज ने अपने काव्य और लेखन के माध्यम से समाज में नैतिकता, धार्मिक आस्था और मानवीय मूल्यों का प्रचार किया. उनकी रचनाओं में भक्ति भावना, भारतीय संस्कृति और समाज सुधार की झलक मिलती है.विचार और कार्य-बचपन से ही मेधावी छात्र रहने के साथ ही धर्म-कर्म और आदर्श संस्कारों को उन्होंने महत्व दिया. उन्होंने समाज में धर्म, नैतिकता और संस्कारों को बढ़ावा देने का प्रयास किया. साहित्य और प्रवचन के माध्यम से लोगों को सदाचार और आध्यात्मिक जीवन की प्रेरणा दी.उनकी कविताओं में सरल भाषा, भावनात्मक अभिव्यक्ति और लोकजीवन की झलक मिलती है.विद्वता के साथ विनम्र व्यक्तित्व

वियोगी महाराज एक सरल, आध्यात्मिक और समाजसेवा के प्रति समर्पित व्यक्तित्व हैं. उन्होंने अपने जीवन को साहित्य और समाज के उत्थान के लिए समर्पित किया. राज्य के विभिन्न हिस्सों में उनकी श्रीमद् भागवत कथाएं भी हीती हैं और इसमें हजारों लोग सुनकर जीवन में बदलाव ला रहे हैं.जाने माने कथा प्रवक्ता के साथ ही सनातन धर्म और राष्ट्रधर्म पर उनका विशेष रूप से जोर रहता है. कथाओं के दौरान वे कहते हैं कि राष्ट्र अगर सुरक्षित है तो धर्म और हम दोनों ही सुरक्षित रहते हैं. लेकिन दुर्भाग्य की बात है वर्तमान में धर्म को राष्ट्रधर्म से बड़ा मानने वाले लोग भी हिन्दुस्तान में है. वे कहते हैं कि मानवता से बड़ा धर्म नहीं है. जिस घर में माता-पिता की सेवा होती है, उनकी आज्ञा का पालन किया जाता है, वहां कभी भी तकलीफें नहीं होती हैं. वे कहते हैं कि जीवन में सदा माता-पिता का सम्मान करने के साथ ही हमारे संस्कारों को कभी नहीं भूलना चाहिए. वर्तमान में परिवार प्रणाली टूटती और अपनापन कम होती दिखाई दे रही है. इस बीच जब भी संभव हो सत्संग के माध्यम से जीवन को संवारने का काम करना चाहिए.

समाजसेवी, सेवाभावी तथा दुग्धपूर्णा के संचालक बालकिशन पाण्डेय का मनाया गया जन्मदिन

हजारों मान्यवरों ने दी शुभकामनाएं, राजकमल चौक पर किया गया सत्कार

लोगों का प्रेम, अपनापन है मेरी सबसे बड़ी ताकत, सभी के प्रेम का सदा आभारी रहूंगा- पाण्डेय

विदर्भ स्वाभिमान, 11 मार्च

अमरावती - शहर के जाने माने समाजसेवी, अध्यात्मिक कार्य में सदा अग्रणी रहने के साथ ही मददगार व्यक्तित्व, ब्राह्मण समाज के मार्गदर्शक बालकिसन पाण्डेय का जन्मदिन उत्साह के साथ मित्रों द्वारा मनाया गया. इस उपलक्ष्य में हजारों मित्र परिवार ने जहां शुभकामनाएं दी, वहीं दूसरी ओर विदर्भ में शीतपेय की दुनिया के बेताज बादशाह कहे जाने वाले उनके प्रतिष्ठान दुग्धपूर्णा में आयोजित कार्यक्रम में उनका सत्कार कर शुभकामनाएँ दी गई. उन्होंने भी हजारों चहेतों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए लोगों के अपार प्रेम के लिए आभार जताया. साथ ही कहा कि लोगों का यही प्रेम उन्हें सदा सेवा करने के लिए प्रेरित करता है.

स्थानीय राजकमल चौक स्थित दुग्धपूर्णा प्रतिष्ठान पर आज कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेड (सीपीडीए) तथा समृद्धि परिवार की ओर से दुग्धपूर्णा के संचालक एवं सीपीडीए के सलाहकार बालकिशन पाण्डेय को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई. इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की. कार्यक्रम में सामाजिक सौहार्द का वातावरण रहा और सभी ने बालकिशन पाण्डेय के सामाजिक एवं व्यावसायिक योगदान की सराहना की.इस मौके पर प्रमुख रूप से सीपीडीए की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य श्याम शर्मा सहित राजेंद्र अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, हितेश केडिया, रवि कडु, हरिश सिरवानी, राजेंद्र केवले, संजय अग्रवाल, सतीश पुरोहित, संदीप खेडकर, विजय इंगले, योगेंद्र गुप्ता, सुदेश पनपालिया, नरेंद्र चूडासामा, अमित सरवाइया, गोपाल पांडे, महेश दुबे, नंदकिशोर चांडक, नितिन उंबरकर, राजेश सैनी, मनीष सिंगई सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे.

सभी उपस्थितजनों ने बालकिशन पाण्डेय को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. उल्लेखनीय है कि वह पहले ऐसे व्यवसायी हैं, जिनकी मदद समाजसेवी संस्थाओं के साथ ही छोटे और मध्यम अखबारों को भी रहती है. गर्मी के चार महीने तक साप्ताहिक से लेकर दैनिकों तक को विज्ञापन के माध्यम से यथासंभव सहयोग देने का प्रयास करते हैं. विदर्भ स्वाभिमान परिवार की उन्हें जन्मदिन पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं

बुजुर्ग महिला को 5 लाख देने का आदेश

पेज 1 से जारी, बुजुर्ग महिला को राहत

आयोग ने दलील नहीं स्वीकारा-हालांकि, आयोग ने इस दलील को पूरी तरह स्वीकार नहीं किया. सुनवाई के दौरान एक महत्वपूर्ण दस्तावेज सामने आया बैंक का किट रिसीप्ट/एकनॉलेजमेंट फॉर्म. इस फॉर्म में लिखा था कि ग्राहक ने एटीएम-डेबिट कार्ड के सिग्नेचर बैंड पर बैंक अधिकारियों की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए थे.

लेकिन महिला का कहना था कि बैंक अधिकारियों ने कभी उनसे कार्ड पर हस्ताक्षर करवाए ही नहीं, जबकि कागजों में यह प्रमाणित कर दिया गया कि हस्ताक्षर उनके सामने हुए हैं. आयोग ने अपने आदेश में कहा कि कार्ड पर सिग्नेचर बैंड कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि एक बनियादी सुरक्षा व्यवस्था है, जिससे कार्डधारक की पहचान सुनिश्चित होती है और दुरुपयोग की संभावना कम होती है.

25 हजार रुपये मुकदमे का खर्च चुकाने का आदेश

आयोग ने माना कि पूरे नुकसान की जिम्मेदारी केवल बैंक पर नहीं डाली जा सकती, क्योंकि मामला आपराधिक भी है और इस संबंध में मुकदमा बांद्रा की मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अदालत में लंबित है.

फिर भी आयोग ने कहा कि सुरक्षा प्रक्रिया के पालन को लेकर बैंक की लापरवाही ने इस नुकसान में भूमिका निभाई, इसलिए इसे सेवा में कमी माना जाएगा. इसी आधार पर आयोग ने बैंक को महिला को पांच लाख रुपये मुआवजा देने और 25 हजार रुपये मुकदमे का खर्च चुकाने का आदेश दिया.

आरोग्यम योगा सेंटर में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

अमरावती-अमरावती के मंगलधाम कॉलोनी स्थित आरोग्यम नॅचरोपैथी व योगा सेंटर तथा माऊली वुमन्स फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 7 मार्च 2026 को शाम 5 बजे अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य, आर्थिक सशक्तिकरण और व्यक्तित्व विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाना था.

कार्यक्रम में प्रभाग क्रमांक 9 की नवनिर्वाचित नगरसेविका ममताताई संदीपमामा आवारे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं. इसके अलावा माऊली वुमन्स फाउंडेशन की संचालिका स्वातीताई बडगुजर, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अमरावती शाखा 979 की विकास अधिकारी महिमा दुबे, आरोग्यम योगा सेंटर की संचालिका जया ठाकरे (कडू) तथा मनस्विनी फाऊंडेशन की सचिव रजनीताई आमले प्रमुख वक्ता के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुईं.

कार्यक्रम की शुरुआत महान समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले और राजमाता जिजाऊ की प्रतिमाओं के पूजन से की गई. कार्यक्रम का संचालन स्मिता थोरात ने किया, जबकि वैशाली अटाळकर ने आभार प्रदर्शन किया. कार्यक्रम की सफलता के लिए मधबाला लोणारकर, मंदाताई येते, विद्याताई लांजेवार, किरणताई ढेवले, मीनाक्षीताई पडोळे, मिनलताई तंबाले, राधाताई राठोड, प्राजक्ता शास्त्री, रेखाताई गाडे, योगिता श्रीरामे, जयश्री ठाकरे और किरण मिश्रा ने विशेष योगदान दिया.इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र की महिलाएं उपस्थित रहीं और महिला सशक्तिकरण के संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ.

इस अवसर पर जया ठाकरे (कडू) ने महिलाओं के लिए योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से महिलाओं की कई शारीरिक समस्याओं का समाधान संभव है. उन्होंने आरोग्यम नॅचरोपैथी व योगा सेंटर द्वारा महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी भी दी और महिलाओं से आर्थिक नियोजन तथा बचत की आदत विकसित करने का आह्वान किया.

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क

9423426199/8855019189

ग्राहकों के विश्वास पर खरी उतरी है बैंक ऑफ इंडिया

सेवा से संतोष : प्रबंधक रणजीत ठाकरे के मार्गदर्शन में पूरी टीम रहती है तत्पर, ग्राहक्र भी प्रसन्न

विदर्भ स्वाभिमान, 11 मार्च

अमरावती- स्पर्धा के दौर में कोई भी बात आसान नहीं रही है. लेकिन बात जब बैंकों की हो तो आज तमाम स्पर्धा इस क्षेत्र में भी हुई है. ऐसे में ग्राहकों का विश्वास जीतने वाली बैंकों को ही लोग चाहते हैं. बैंक ऑफ इंडिया की देवरणकर नगर शाखा ने ग्राहकों का न केवल विश्वास जीता है, बल्कि प्रबंधक रणजीत ठाकरे के कुशल नेतृत्व, बैं क के हर अधिकारी और कर्मचारियों के समर्पण के कारण जबर्दस्त लोकप्रियता प्राप्त की है. बैंक के सभी अधिकारियों और कर्मचायिों द्वारा जिस तरह से ग्राहकों की समस्याओं का समाधान किया जाता है और उन्हें समुचित मार्गदर्शन किया जाता है, वह अपने आप में सराहनीय है. बैंक के गार्ड दीपक आगरकर तक बुजुर्ग ग्राहकों की सेवा तथा मार्गदर्शन करने के लिए सदा तत्पर रहते हैं.

बैंक के सभी अधिकारियों के सहयोग तथा समुचित मदद के कारण ग्राहकों की संख्या जहां लगातार बढ़ रही है, वहीं रणजीत ठाकरे स्वयं ग्राहकों की शिकायतों को सुनने के साथ ही उनका निराकरण करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. यही कारण है कि बैंक शुरू होने से बंद होने तक ग्राहकों की भीड़ लगी रहती है. करोड़ों रूपए के डिपाजिट के साथ ही बैं क द्वारा किसानों सहित दुर्बल घटकों और अन्यों को भी विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ देने के साथ ही समुचित मार्गदर्शन किया जाता है. बैंक में कई ऐसे भी ग्राहक हैं, जिन्होंने तीन पीढ़ी से बैंक को ही चुना है.

इस बारे में विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए सहयोग करने वाले अधिकारी रणजीत ठाकरे कहते हैं कि उन्हें ग्राहकों की सेवा की जो जिम्मेदारी वरिष्ठों द्वारा दी गई है, उसे निभाने का ईमानदारी से प्रयास करते हैं. उनके मुताबिक ग्राहकों का विश्वास ही बैं क की सबसे बड़ी कमाई है. बैंक में जिस तरह से सेवाभाव वाली भावना से ग्राहकों की सेवा की जाती है, उसके चलते यहां आने वाला हर ग्राहक भी संतुष्ट होकर जाता है. ग्राहकों की बढती संख्या के साथ ही यह बैं क शाखा व्यवसाय के मामले में भी अग्रणी रहती है. हिंदी दिवस सहित अन्य कार्यक्रम भी यहां होते हैं. बैंक का हर कर्मचारी और अधिकारी सेवाभावना से ओतप्रोत रहने के कारण काम करने में दिक्कत नहीं होती है. ग्राहकों का समाधान और विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी अधिकारी तथा कर्मचारी देकर ग्राहकों का मार्गदर्शन भी करते हैं. रबैंक ऑफ इंडिया में ग्राहकों के साथ हिंदी में अधिकांश तौर पर व्यवहार करने के साथ ही उन्हें प्रोत्साहित करने का काम किया जाता है. इस आशय का प्रतिपादन बैंक के प्रबंधक रणजीत ठाकरे ने किया. बैं क के ग्राहकों को बेहतरीन सुविधाएं देने के साथ ही सदैव विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी बैंक के ग्राहकों को देने वाले रणजीत ठाकरे के मुताबिक ग्राहकों का विश्वास ही उनके लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण रहता है. ग्राहकों का प्रेम और उनका संतोष ही उनके लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान रखता है.

युवा एवं संवेदनशील अधिकारी के रूप में रणजीत ठाकरे ने कहा कि बैं क द्वारा अपने ग्राहकों को सदैव तत्पर सेवा देने के साथ ही हिंदी को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाता है. उनके मुताबिक

मराठी के साथ ही हिंदी और अन्य भाषाओं में भी ग्राहकों को सदा सहयोग दिया जाता है. बैंक की सेवा से संतुष्ट रहने वाले ग्राहक रत्नमाला दातखोरे, अविनाश दातखोरे, श्वेता दुबे, वीणा दुबे के अलावा कई ग्राहकों ने बैं क के कार्यों को लेकर संतोष जताया. उनके मुताबिक बैं क के ग्राहकों द्वारा सदा ही सहयोग वाली भूमिका के कारण बैं क में ग्राहकों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है. कई ग्राहकों से बातचीत करने पर उन्होंने बैंक के प्रबंधक सहित पूरे स्टाफ की समर्पित सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि यहां सुरक्षा रक्षक दीपक आगरकर भी ग्राहकों को मदद तथा सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. बैंक के सभी ग्राहकों क़े हितों को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही. टीम वर्क के कारण ही यह संभव होने की बात भी कही.

बैंक के मिलनसार और सहयोग को तत्पर प्रबंधक रणजीत ठाकरे के साथ सभी अधिकारी और कर्मचारी सहयोगी की भूमिका में रहते हैं. ठाकरे के मुताबिक उन्हें ग्राहकों की सेवा के लिए ही रखा गया है, ऐसे में ग्राहकों का समाधान ही उनका उद्देश्य रहता है. ग्राहकों के प्यार को अपनी सबसे बड़ी कमाई बताते हुए कहते हैं कि बैंक का हर ग्राहक भी सदैव सहयोग करता है. उनके मुताबिक आज हर क्षेत्र में स्पर्धा है, जो बेहतरीन करेगा, वही चलेगा, ऐसे में ग्राहकों का संतोष उनके लिए तथा सभी अधीनस्थों के लिए पहली प्राथमिकता रहता है.

बैंक से स्वयं मैं पिछले 35 वर्षों से जुड़ा हूं और सदैव बैंक के बारे में यही बेहतरीन अनुभव आया है. बैंक इसी तरह अपार कामयाबी हासिल करे, यही कामना.

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वत: भेंट देऊन खात्री करावी. शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य 1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048